INTEGRITY

Topic ..... Date .....

Topic/विषय → ऑफ़िस से घर आते हुए रेड लाईट पर गाड़ी रुकी, देखा एक बुज़ुर्ग सड़क पार कर रहे थे।

आज एक थका देनेवाले दिन के बाद फ़ुरसत मिलते ही ऑफ़िस से निकलने की सोच ली थी मैंने। बाहर निकला तो जल्द से जल्द एक टेक्सी पकड़ी और घर के लिए रवाना हो गया। रेड लाईट पर पहुँचे ही थे कि मैंने देखा की एक बुज़ुर्ग आदमी करीब सत्तर से अस्सी साल की उम्र के, अकेले सड़क पार कर रहे हैं। यह दृश्य देखकर मेरी आँखें भर आई। मैं आठ साल पीछे चला गया। उन यादों में खो गया जब मैं एक हँसते-खेलते परिवार का हिस्सा था। सब बहुत खुश थे क्योंकि मैं जल्दी पिता बनने वाला था। सच में, यह एक अनोखी खुशी थी। परंतु हमारी खुशियों को संकट की नज़र लगते देर नहीं लगी।

भाई और भाभी ज़मीन का बँटवारा चाहते थे। भाभी के मन में घर पर एकछत्र राज की कामना थी तो भाई अलग रहन-सहन चाहते थे। फिर क्या था, बस झगड़े शुरू और अंत में ज़मीन का बँटवारा हो ही गया। माँ-बाबा मेरे पास ही रहते थे। मैं पूरी कोशिश करता था कि माँ-बाबा को किसी चीज़ की कमी न महसूस हो। दूसरी तरफ़ बाबा के मन में अशांति का निवास था। बाबा से रहा न गया और वो घर छोड़कर चल दिए। माँ की आँख खुली तो उन्होंने देखा कि बाबा गायब थे। नज़रें इधर-उधर घुमाई तो मालूम हुआ कि बाबा एक संदेश छोड़ कर गए थे। संदेश में लिखा था की वो घर छोड़ कर जा रहे हैं। वह अब इस दुख और रोग समान पीड़ा को और सहन नहीं कर पाएँगे।

Teacher's Signature

Topic ..... Date .....

बाबा को ढूंढने के लिए हम निकलने ही वाले थे कि तभी मुझे एक कॉल आया। बातचीत करी तो पता चला की बाबा ~~का~~ एक कार दुर्घटना का शिकार हो गए और अब हस्पताल में हैं। हम जल्दी से हस्पताल पहुँचे पर उनका देहांत हो चुका था। ~~पर~~ बाबा ने एक संदेश छोड़ा था कि मैं अपनी मर्जी से जा रहा हूँ मुझे याद कर कोई नहीं रुएगा। बाबा की आखिरी इच्छा समझकर हमने उस बात को मान लिया। जल्दी ही मैं जुड़वा बच्चों का पापा बन गया।

आज आठ साल बाद इस दृश्य ने मुझे बाबा की याद दिला दी। मैं शीघ्र गाड़ी से उतरा और उन बुजुर्ग को सहारा देकर सड़क पार करवाई। मैंने उन्हें एक जगह बैठाया और उन्हें पानी पिलाया। वह बुरी तरह से रो रहे थे। मैंने उनकी मूक की व्यथा सुनी तो ज्ञान हुआ कि उनके पुत्रों ने उन्हें ज़मीन का बँटवारा करने के लिए धमकाया-डराया। अंत में ज़मीन का बँटवारा होने के बाद वह खुद ही घर से भाग आए। मैं शीघ्र उन्हें उनके घर ले गया। उनके पुत्रों को समझाया की अलग-अलग रहकर कुछ हासिल नहीं होता। बहुत समझाने के बाद वह दोनों समझ गए कि एकजुट होकर रहने में ही भलाई है।

जल्दी से बाप-बेटों का मिलन करवाकर मैं घर के लिए निकल गया। घर पहुँचा तो देखा कि भाई-भाभी आए थे इतने सालों बाद। वे अब एकजुट होकर हमारे साथ रहना चाहते थे। रात्री के भोजन के बाद मैंने सबको यह

Teacher's Signature

Topic .....

Date .....

बात बताई। सब बहुत खुश थे। आखिरकार मेरा परिवार एक हो ही गया था। बच्चों को सोने से पहले मैंने यह सीख दी कि हमेशा एकता बनाए रखो और दूसरों को भी सलाह दो। क्योंकि एकता में ही असली ताकत है। एकता है तो चाहे कोई भी दुख हो, उसे पराजय की धूल चटाई जा सकती है।

Teacher's Signature

निमिता साही

X - B

INTEGRITY

I

STRENGTH

Topic _____ Date _____

एक बुजुर्ग की कोशिश

रीटा, एक पचीस वर्ष की लड़की जो ए. आँड बी नामक एक कम्पनी मे काम करती है, वो शाम को ऑफिस से लौट रही थी। रेड लाइट पर खड़े गाड़ियो के चलने का इंतजार कर रही थी और वह काफी गहरी सोच मे डूबी हुई थी। तभी उसकी नजर एक बुजुर्ग आदमी की ओर पड़ी जो सड़क पार कर रहे थे। ठीक उसी समय एक बच्चा तेज़ी से भागता उनकी तरफ आया। लाइट ग्रीन हो गई थी। रीटा के मन मे बहुत अजीब ख्याल आने लगे। बच्चा और बुजुर्ग दोनो की जान खतरे मे थी। फिर अचानक से रीटा को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिससे उसकी आँखे खुली रह गई। वह जैसे स्तब्ध रह गई थी। वह उस बात पर विश्वास करने को तैयार ही नही थी जिसका दृश्य उसकी आँखो ने देखा। वह बुजुर्ग उस बच्चे की ओर चीताह जैसी रफ्तार से दौड़कर गया और उसको अपनी गोद मे उठाकर ले गया।

वह ऐसे दौड़कर गया कि उसकी बस एक झलक दिखी और वहां कोई नही था। रीटा के मन मे बहुत सारे विचार घूम रहे थे। क्या किसी और ने भी उसके इलावा वो दृश्य देखा होगा। वह बुजुर्ग उस बच्चे की ओर ऐसे भागा जैसे वह उसका ही बच्चा हो. पर फिर भी रीटा को वो दृश्य बहुत अजीब लगा। रोज़ की तरह जब वह घर लौटी तो उसका मन हंसमुख नही था। वह शाम के दृश्य को अपने दिमाक से नही निकाल पा रही थी। उसको उस बुजुर्ग और बच्चे दोनो मे कुछ विचलित करने वाली बात दिखी जो उसके मन को शांत नही कर पा रही।

अगले दिन वह जब ऑफिस से लौट रही थी तो उसने यह दृश्य एक बार फिर महसूस किया। यह सिलसिला

My School Teacher Designer

काफी दिनो तक चलता रहा। फिर एक शाम उसने उसी बुजुर्ग को वापिस सड़क पार करते देखा। परंतु इस बार बुजुर्ग नही बच्चा उसकी तरफ भागकर आया और उसे ले गया। 'अब तो मैं सच जानकर रहूँगी', रीटा ने सोचा। वह गाड़ी से उतरी और उसने बुजुर्ग और बच्चे का पीछा किया। वह एक सुनसान रास्ते पर आगे बढ़ रही थी जिस पर कोई गाड़ी थी न और न ही कोई इंसान। परंतु फिर भी वह आगे बढ़ रही थी। ऐसा लगा जैसे वह किसी जंग के लिए जा रही हो और यह तूफान से पहले आने वाला सन्नाटा हो।

वह चलते-चलते एक कोठरी मे पहुँची। वह आस-पास का वातावरण देखकर काफी हैरान हुई। फिर भी वह आगे बढ़ी और उसने अंदर प्रवेश किया। जब वह अंदर एक छोटे से कमरे मे पहुँची तो उसके पैरो तले जैसे ज़मीन खिसक गई थी। उसने वहा एक नही कई सारी बच्चे देखे जो गरीब थे और शायद उनको खाने के लिए अच्छा पोशतिक खाना भी नसीब नही होता होगा। वह बच्चे कुछ दस-बारह वर्ष की उम्र के होंगे। उनके पास कुछ आदमी डंडा लेकर खड़े हुए थे। बिना सोच समझे उनकी तरफ दौड़ी और एक आदमी का पकड़ लिया।

Topic _____ Date _____

ठीक उसी समय कुछ बच्चे अपनी जगह से उठे और उन्होंने उस आदमी का हाथ पकड़ लिया और रीटा से कहा की 'आप इनको जाने दीजिए, इनकी कोई गलती नही है। आप इनकी बजाय बजाए हमें अपने बंधी बना लीजिए'। उनकी क्रिया ने रिटा काफी विचलित स्थिति मे छोड़ दिया। उसको लगा की यह बच्चे डर-सहमे है इसलिए कुछ बोल नही रहे है।

रीटा ने उसको आश्वासन दिलाते हुए कहा 'तुम डरो मत बच्चे, तुम्हे कुछ नही होगा। तुम मुझे बताओ की इन लोगों ने तुम्हारे साथ क्या बदसलूकी करी। मैं इनकी शिकायत पोलिस मे करूंगी।

'नही दीदी ऐसा मत करना', एक बच्चा बोला। 'क्यों?' रीटा ने उत्सुकतापूर्वक पूछा। 'दीदी यह लोग बुरे नही है, यह लोग तो हमे पढ़ा रहे है।'

हा। यह सही कह रहा है। दीदी हम लोग बहुत गरीब है और हमारे मा-पापा के पास इतने पैसे नही है कि वह हमे विद्यालय भेज सके। और अगर होते भी तो वह हमे नही भेजते क्योंकि उनको लगता है कि पढ़ना समय की बरबादी है।

इसलिए हम रोज रात को यहाँ आते है अपनी माँ-पापा से झूठ बोलकर की हम पास वाले पार्क मे खेलने जा रहे है। परंतु हमारा उद्देश्य गलत नही होता।

उनकी कहानी सुनकर रीटा स्तब्ध रह गई। वह इस कोशिश को सलाम करके यह कहना चाहती थी कि

My School Teacher Diary

आप बहुत अच्छा काम कर रहे है।

फिर कही पीछे से वो बुड्ढे आदमी आए जो असल मे बुड्ढे नही थे। 'मैं जानता हूं उस दिन मुझे इतनी तेज़ भागते देख, तुम काफी हैरान थी और इसलिए तुम मेरा पीछा करते-करते यहां तक आई हो'। बुड्ढे आदमी ने कहा।

हां! रीटा ने संक्षेप मे उत्तर दिया। आप यह सब क्यो कर रहे है? आपको इससे क्या खुशी मिलती है।

मेरे पास कोई परिवार नही है, और जब मैं छोटा था, तब मैं विद्यालय नही जा पाता था। मुझे कभी वो प्यार और अपनापन मिला नही, जो सब बच्चो को अपने बचपन मे मिलता था। मैंने अपने जीवन मे बहुत ठोकर खाई है और मैं नही चाहता की यह बच्चे भी उसी सब से गुज़रे। जिंदगी अपने आप मे बहुत बड़ी अध्यापिका होती है और जो हम खुद चोट खाकर सिखते है वह दुनिया की कोई किताब नही सिखाती। इन बच्चो के साथ होता हूं तो मुझे एक परिवार की अनुभूति महसूस होती है और मैं इन बच्चो को सिखा भी पाता हूं।

'आपको अपने काम के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं', रीटा ने कहा और वह खुश होकर वहां से सोच मे डूबी हुई अपनी गाड़ी की ओर बढ़ी परंतु इस बार वह सोच अच्छी, सुखद और खुशी देने वाली थी।

रिज़ुल बिन्दल
X-E
House - Strength